

अनुपालन (von पाल्प् mit अनु) n. *Wahrung, Beobachtung*: तपसः R. 5, 24, 20.

अनुपालिन् (wie eben) adj. *bewahrend, treu bleibend*: यदि (यवीयासः) विद्यानुपालिनः M. 9, 204.

अनुपावृत्त (3. अ + उपावृत्त) N. pr. eines Volkes VP. 189. — Vgl. उ०.

अनुपुरुष (1. अनु + पुरुष) m. *der wieder erwähnte Mensch* (अन्वादिष्टः पुरुषः) P. 6, 2, 190. In der Bedeutung अनुगतः पुरुषः *der nachfolgende Mensch* hat das Wort einen andern Accent, Sch.

अनुपुष्प (1. अनु + पुष्प) m. N. eines Rohrs, *Saccharum Sara Roxb.*, *Сабдар.* im *ÇKDr.* — Vgl. शर्.

अनुपूर्व (1. अनु + पूर्व) adj. 1) *je einem Vordern nachstehend*: वर्षिष्ठो दत्तिष्ठाः । अनुपूर्वा इतरे KĀTJ. ÇR. 8, 8, 20. अग्नेयः प्रथमो गच्छत्यन्वारब्धो ऽनुपूर्वा इतरे 29. — 2) *nach dem Vordern sich richtend, das gehörige Maass habend, regelmässig*: अनुपूर्वाङ्गुलि BURN. Lot. de la b. l. 585. ०पाणिनिख 588. ०गात्र 594. ०नाभि 593. ०दंष्ट्र 600. ०भू 602. ०केश 606. — Davon अनुपूर्वम् adv. 1) *dem Ersten nach, der Reihe nach, nach einander*: यथाहान्यनुपूर्वं भवति RV. 10, 18, 5. अनुपूर्वं यतमाना यति ष 6. 131, 2. ÇAT. Br. 13, 2, 4, 5. KĀTJ. ÇR. 2, 8, 13. — 2) *immer weiter, vorwärts*: मितता दस्योरशिवस्य माया अनुपूर्वं वर्षणा चेदप्यन्ता RV. 1, 117, 3. — Vgl. अनुपूर्व्य, अनुपूर्वशस् und आनुपूर्व.

अनुपूर्वज (अनुपूर्व + ज) adj. *hinter einander geboren, je das nächste Mal geboren* KĀTJ. ÇR. 15, 3, 15.

अनुपूर्ववत्स (अनुपूर्व + वत्स) adj. *ein Kalb nach dem andern bringend, von der Kuh* AV. 9, 5, 29.

अनुपूर्वशस् (von अनुपूर्व) adv. *der Ordnung nach* M. 1, 27. 3, 201. 219. 8, 97. 119. mit dem gen.: वर्णानामनु० *nach der Ordnung der Kasten* 8, 142. Steht oft müßig da, wenn die einzelnen Theile nicht aufgezählt werden und es auf die Reihenfolge auch weiter nicht ankommt: तस्य कर्मविवेकार्थं शेषाणामनु० 1, 102. स्वे स्वे धर्मे निविष्टानां सर्वेषामनु० 7, 35. बुद्धिन्दित्र्याणि पक्षेया आत्रादीन्यनु० 2, 91. ब्रह्मादिषु विवाहेषु चतुर्वैवानु० 3, 39. Häufig mit यथावत् verbunden: कथयतो यथावदनुपूर्वशः R. 1, 8, 28. M. 1, 2. 2, 89. 5, 57. 7, 36.

अनुपूर्व्य (von अनुपूर्व) adj. = अनुपूर्व 1. KĀTJ. ÇR. 16, 1, 9. 10: वर्षिष्ठरथानः पुरुषो ऽनुपूर्व्या (sc. रथानाः) इतरेषाम्. Scheint hergestellt werden zu müssen RV. 9, 109, 7 (= SV. I. 5, 1, 5, 10.). पर्वस्व सोमं द्यूमी सुं धीरो महामवीनामनु० पूर्व्यः *folgend, sich an Etwas hinbewegend*.

अनुपृष्ठ (von अनु + पृष्ठ) adj. f. *आ der Länge nach genommen* (रज्जु) KĀTJ. ÇR. 16, 8, 5.

अनुप्रज्ञान (von ज्ञा mit अनु + प्र) n. *das Nachspüren, Auffinden*: स एतानि वर्माण्यभित्ति ऽकुर्वत् पृथ्वाण्यननुप्रज्ञानाय ÇAT. Br. 6, 3, 4, 33.

अनुप्रदान (von दा, ददाति mit अनु + प्र) n. *das Zurückgeben, Herauslassen*: रसानुप्रदान NĪR. 7, 10. 10, 34. अनुप्रदानात्संसर्गात्स्थानात्कर्णाविन्यात् । ज्ञायते वर्णविवेक्यं परिमाणाच्च पञ्चमात् ॥ TAITT. PRĀT. 2, 11.

अनुप्रपात (von पत् mit अनु + प्र) m. *das Nachstürzen* (?); acc. adv. गेहानुप्रपातमास्ते, गेहं गेहमनुप्रपातम्, गेहमनुप्रपातमनुप्रपातम् P. 3, 4, 56, Sch.

अनुप्रपाद (von पद् mit अनु + प्र) m. *das Eindringen hinter Jemand her* (?); acc. adv. गेहानुप्रपादमास्ते, गेहं गेहमनुप्रपादम्, गेहमनुप्रपादमनुप्रपादम् P. 3, 4, 56, Sch.

अनुप्रमाण (1. अनु + प्रमाण) adj. *angemessen* Suçr. 2, 7, 11.

अनुप्रयोग (von युज् mit अनु + प्र) m. *Anfügung von hinten* (abstr. und concr.) P. 1, 3, 63. 3, 4, 4. 2, 4, 1, Sch. 3, 4, 5, Sch. Vop. 9, 18.

अनुप्रवचन (von वच् mit अनु + प्र) n. P. 5, 1, 111.

अनुप्रवचनीय adj. = अनुप्रवचनं प्रयोजनमस्य P. 5, 1, 111.

अनुप्रवेश (von विप्र् mit अनु + प्र) m. *das spätere Hereintreten*: अनुप्रवेशे राक्षस्तु वनवासो भवेन्मम MBh. 1, 7760. गुरारनुप्रवेशो हि नोपपातो यवीयसः 7772. गेहानुप्रवेशमास्ते, गेहं गेहमनुप्रवेशम्, गेहमनुप्रवेशमनुप्रवेशम् P. 3, 4, 56, Sch. *Hereintreten* schlechtweg: पुषोष वृद्धिं हरिदश्च दीधितेरनुप्रवेशादिव बालचन्द्रमाः RAGH. 3, 22. — Vgl. अनुवेश.

अनुप्रवेशन (wie eben) n. gaṇa अनुप्रवचनादि.

अनुप्रवेशनीय adj. = अनुप्रवेशनं प्रयोजनमस्य gaṇa अनुप्रवचनादि.

अनुप्रश्न (von प्रश् with अनु) m. *Frage* TAITT. Up. 2, 6.

अनुप्रर्हरण (von हर् with अनु + प्र) n. *das Wegwerfen* ÇAT. Br. 3, 4, 3, 20. AIT. Br. 2, 3. KĀTJ. ÇR. 4, 2, 42.

अनुप्रास (von अस्, अस्यति mit अनु + प्र) m. *Gleichsetzung von Lauten, Alliteration*: वर्णासाम्यमनुप्रासः । स्वरवैसादश्ये ऽपि व्यञ्जनसदृशत्वं वर्णासाम्यम् । रसायनगतः प्रकृष्टो न्यासो ऽनुप्रासः । KĀVYA-PR. 126, 9—11.

अनुप्लव (von प्लु mit अनु) m. *Begleiter, Gefährte* ĀK. 2, 8, 2, 39. H. 496.

अनुबन्ध (von बन्ध् mit अनु) 1) m. a) *Band, Verbindung* (बन्ध) MBD. dh. 40. — b) *ununterbrochene Reihe, ununterbrochene Folge*: कुरिष्ये चोर्ध्वेगेन प्लवमानो महार्णवम् । लतानां विविधं पुष्पं पादपानां च सर्वशः ॥ अनुबन्धेन पुष्पाणां विविधेन सुगन्धिनाम् । भविष्यति च मे पन्थाः R. 5, 3, 43. 44. अनर्थं सानुबन्धम्, अर्थमर्थानुबन्धम् 81, 4. सानुबन्धाः कथं न स्युः संपेदा मे निरापदः RAGH. 1, 64. वाप्यं कुरु स्थिरतया विरतानुबन्धम् *hemme den Fluss der Thränen* (v. l. शिथिलानु०) ÇĀK. 90. — c) *Folge, die Folgen*: यदप्ये चानुबन्धे च सुखम् BHAG. 18, 39. अनुबन्धं जपे हिंसात्मनवेत्य 25. प्रथमं ते महाराज कृत्यमेतन्न चिन्तितम् । केवलं वीर्यमेतेन नानुबन्धो विचारितः R. 6, 40, 4. अनुबन्धमज्ञानतः कर्मणामविचक्षणः 3, 57, 6. पापानुबन्धो यस्य स्यात्कर्मणः 19. शातञ्जरो ऽपि शोध्यः स्यादनुबन्धभयान्नरः Suçr. 2, 412, 20. — d) *Nachkommenschaft*: सानुबन्धा कृता ह्यसि R. 2, 7, 28. कैकेयो च वधिष्यामि सानुबन्धो सन्बन्धवाम् 97, 27. — e) *Absicht, Motiv einer Handlung*: अनुबन्धं परिज्ञाप्य देशकालौ च तद्वत् — दण्डं दण्डेषु पातयेत् M. 8, 126. पापानुबन्धं Bös im Schilde führend R. 1, 34, 30. विहितक्रीडानुबन्धच्छलः *den Schein gebend, als wenn er einen Scherz beabsichtigte* AMAR. 16. — f) *Hinderniss*: विरात्रे चागतं कस्मात्को ऽनुबन्धश्च ते ऽभवत् SĀV. 6, 28. — g) *ein secundäres Symptom, symptomatische Affection* (वैद्यकमते वातादिदोषाणामप्रधान्यम् ÇKDr.): मूर्हानुबन्धा विषमञ्चराः Suçr. 2, 404, 10. 6. — h) *वेदात्मते अधिकारविषयसंबन्धप्रयोजनानि* ÇKDr. — i) (in der Gramm.) *ein stummer Buchstab oder eine stumme Silbe, die an eine Wurzel, ein Thema, ein Suffix u. s. w. gefügt wird, zur Bezeichnung einer Eigenthümlichkeit derselben, (विनश्चरे)* AK. 3, 4, 101. MBD. dh. 40. P. 1, 2, 19, Sch. 2, 4, 54, Sch. — Die indischen Lexicographen geben noch folgende Bedeutungen an: k) = *देष्टव्याद्* AK. 3, 4, 101. H. an. 4, 147. (ein Halb-Çloka, der unter Anderm das zu erklärende Wort selbst enthielt, fehlt in der Calc. Ausg.) MBD. dh. 40. COLEBR. erklärt dieses durch *offence or guilt*, ÇKDr. durch *देष्टव्यत्पत्ति*. Es ist vielleicht das *Motiv eines Vergehens* gemeint; vgl. e. —

14